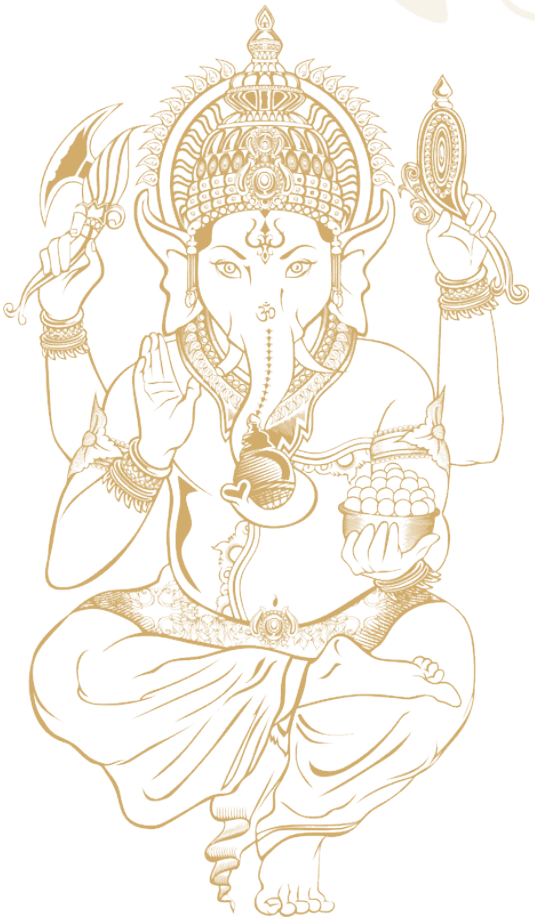

Mayank Anchal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121633302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/10/1998	जन्म तिथि	14/05/2002
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 14:15:00	जन्म समय	08:35:00 घंटे
घटी 19:27:35	जन्म समय(घटी)	07:00:21 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:57	सूर्योदय	05:46:51
17:52:44	सूर्यास्त	18:58:57
23:50:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:06

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 18वर्ष 8मा 25दि		29:39:52	मक	लग्न	मिथु	10:01:25	चन्द्र 3वर्ष 5मा 12दि	
चन्द्र		08:53:38	तुला	सूर्य	मेष	29:16:22	राहु	
23/07/2023		14:10:29	धनु	चंद्र	वृष	18:43:54	25/10/2012	
22/07/2033		17:33:31	सिंह	मंगल	वृष	26:36:17	26/10/2030	
चन्द्र	22/05/2024	27:30:47	तुला	बुध	वृष	15:59:21	राहु	08/07/2015
मंगल	21/12/2024	24:52:58	कुंभ व	गुरु	मिथु	19:16:23	गुरु	01/12/2017
राहु	22/06/2026	07:55:10	तुला	शुक्र	वृष	28:23:00	शनि	07/10/2020
गुरु	22/10/2027	06:06:56	मेष व	शनि	वृष	21:11:55	बुध	26/04/2023
शनि	22/05/2029	05:10:15	सिंह व	राहु व	वृष	24:00:30	केतु	14/05/2024
बुध	22/10/2030	05:10:15	कुंभ व	केतु व	वृश्चि	24:00:30	शुक्र	15/05/2027
केतु	23/05/2031	14:59:46	मक	हर्ष	कुंभ	04:47:22	सूर्य	07/04/2028
शुक्र	20/01/2033	05:36:27	मक	नेप व	मक	17:05:46	चन्द्र	07/10/2029
सूर्य	22/07/2033	12:46:26	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	23:00:46	मंगल	26/10/2030

लग्न-चलित

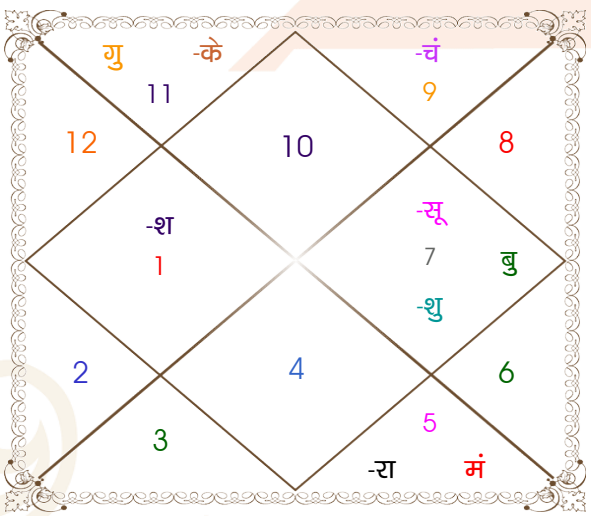

लग्न-चलित

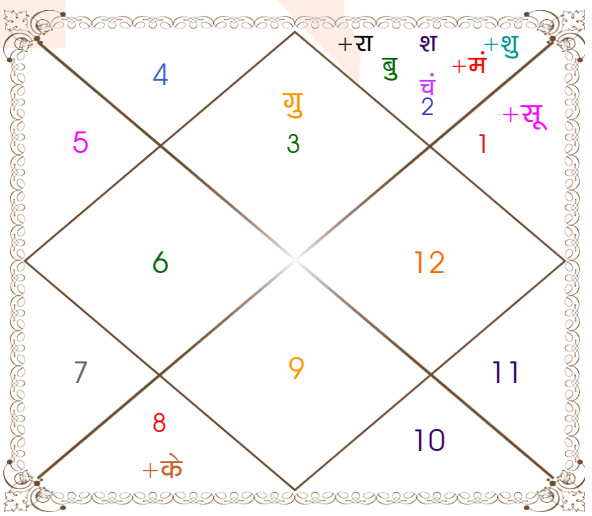

श्री संकटमोचन ज्योतिष केंद्र
नरसिंह मंदिर,कलाल घाट,तोड़ा,सांवेर(जिला)इंदौर
वैदिक पंडित पंकज मंडलोई ज्योतिष आचार्य
+91 9893119214
pandit11317@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डंलंदा का वर्ग मूषक है तथा ।दर्बीस का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डंलंदा और ।दर्बीस का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डंलंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डंलंदा कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।दर्बीस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।दर्बीस कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।दर्बीस कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डंलंदा तथा ।दर्बीस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।